अष्टांगहृदयम्

वागभट्ट गीता

ॐ ॐ अष्टांग हृदयम पढ़ने का सुनहरा अवसर 🙏 🙏

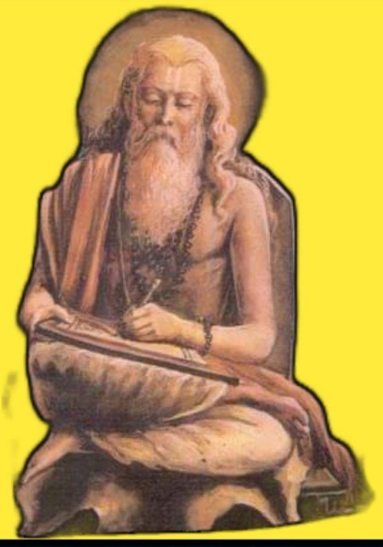

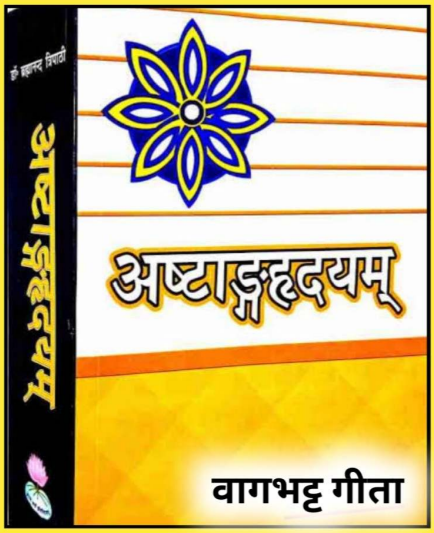

अपने चिकित्सक स्वयं बने

ऋषियों एवं शास्त्रों के ज्ञान को समझकर

अष्टांग_हृदयम क्लास से जुड़ने के लिए
WhatsApp करे 📲99913_20020

Ayurved is the most powerful weapon
which you can use to change body 🏋 & world 🌍.

New Batch Start | Time: 8pm to 9pm

Ashtang hridayam
अष्टांग हृदयम
@ashtanghridayamraj
18.4K subscribers • 51 videos

पाठ्यविवरण (Syllabus)

First month | 1 वात, पित, कफ

विषय (Topics) **पेज न.**

1.अष्टांगहृदयम वागभट्ट गीता क्या है?..... 8

2.शरीर का आधार दोष,धातु,मल और अग्नि.....22

3.गुण अधारित चिकित्सा क्या है?.....27

4.वात के 8 गुण एवं उनकी चिकित्सा 30

5.वात के बिगड़ने के 12 कारण.....43

6.वात प्रकृति के 20 लक्षण.....48

7.वात दोष के 80 रोग.....54

8.वात के पांच भेद 70

(a) प्राण वायु = वायु+जल

(b) उदान वायु = वायु+अग्नि

(c) व्यान वायु = वायु+आकाश

(d) समान वायु = वायु+वायु

(e) अपान वायु = वायु+पृथ्वी

9.वात के संचय,प्रकोप एवं शमन.....111

10.वात वृद्धि एवं क्षय के लक्षण.....114

11.वात दोष की सम्पूर्ण चिकित्सा.....116

Second month

👉 वात, पित, कफ

विषय (Topics) पेज न.

1.कफ के 11 गुण एवं उनकी चिकित्सा 1
2.कफ के बिगड़ने के 10 कारण.....19
3.कफ प्रकृति के 20 लक्षण.....22
4.कफ दोष के 20 रोग.....25
5.कफ के पांच भेद 33
(a)अवलम्बक कफ =आप + पृथ्वी
(b)क्लेदक कफ =आप + आप
(c)बोधक कफ =आप + तेज
(d)तर्पक कफ =आप + आकाश
(e)श्लेषक कफ =आप + वायु
6.कफ के संचय,प्रकोप एवं शमन.....59
7.कफ वृद्धि एवं क्षय के लक्षण.....61
8.कफ दोष की सम्पूर्ण चिकित्सा.....65
9.पित के 9 गुण एवं उनकी चिकित्सा 70
10.पित्त के बिगड़ने के 10 कारण.....90
11.पित्त प्रकृति के 20 लक्षण.....95
12.पित्त दोष के 40 रोग.....99
13.पित्त के पांच भेद 102
(a) पाचक पित = तेज + पृथ्वी
(b) रंजक पित = तेज + आप
(c) साधक पित = तेज + आकाश
(d) आलोचक पित = तेज + तेज
(e) भ्राजक पित = तेज + वायु
14.पित्त के संचय,प्रकोप एवं शमन.....113
15.पित्त वृद्धि एवं क्षय के लक्षण.....116
16.पित्त दोष की सम्पूर्ण चिकित्सा.....117
17.वात पित्त कफ के 63 भेद.....118
18.वात पित्त कफ सम.....122

Third month

1 रस,रक्त,मांस धातु

विषय (Topics) पेज न.

1.सप्तधातु की उत्पत्ति एवं कर्म.....1
2.रस धातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....3
3. रसधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....8
4.रसधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....19
5.रस धातु से उत्पन्नरोग.....22
6.रसधातु की उपधातु एवं मल 26
7.रस धातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 34
8.रस पाचक का निर्माण विधि एवं उपयोग 39
9.स्वर्णप्रभा का निर्माण विधि एवं उपयोग 55

1.रक्तधातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....68
2.रक्तधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....73
3.रक्तधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....80
4.रक्तधातु से उत्पन्न रोग.....83
5.रक्तधातु की उपधातु एवं मल 85
6.रक्तधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 86
7.रक्तपाचक का निर्माण विधि एवं उपयोग 89
8.जीवन राज का निर्माण विधि एवं उपयोग 99

1.मांस धातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....104
2.मांस धातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....109
3.मांसधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....114
4.मांसधातु से उत्पन्न रोग.....120
5.मांसधातु की उपधातु एवं मल 122
6.मांसधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 125
7.मांसपाचक का निर्माण विधि एवं उपयोग 130
8.शततताल का निर्माण विधि एवं उपयोग 140

Fourth month

👉मेद,अस्थि,मज्जा,शुक्र

विषय (Topics) पेज न.

1.मेदधातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....1
2.मेदधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....5
3.मेदधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....8
4.मेदधातु से उत्पन्न रोग.....10
5.मेदधातु की उपधातु एवं मल 11
6.मेदधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 12
7.मेदपाचक का निर्माण विधि एवं उपयोग 14
8.मेदादि घृत का निर्माण विधि एवं उपयोग 18
9.अस्थिधातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....20
10.अस्थिधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....22
11.अस्थिधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....24
12.अस्थिधातु से उत्पन्न रोग.....26
13.अस्थिधातु की उपधातु एवं मल 28
14.अस्थिधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 30
15.अस्थिमज्जा पाचक का निर्माण विधि एवं उपयोग 33
16.अस्थिरता राज का निर्माण विधि एवं उपयोग 35
17.मज्जाधातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....37
18.मज्जाधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....39
19.मज्जाधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....40
20.मज्जाधातु से उत्पन्न रोग.....42
21.मज्जाधातु की उपधातु एवं मल 44
22.मज्जाधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 46
23.शुक्रधातु का परिचय, उत्पत्ति एवं कार्य.....48
24.शुक्रधातु का पंचभौतिक स्वरूप एवं आधुनिक सहसंबंध.....50
25.शुक्रधातु के क्षय और वृद्धि के लक्षण.....58
26.पुरुष एवं स्त्री के शरीर में शुक्र धातु का स्थान.....69
27.शुक्रधातु की उपधातु, मल एवं ओज की खोज 72
28.शुक्रधातु के क्षय एवं वृद्धि की चिकित्सा 75
29.महाशतावरी घृतराज का निर्माण विधि एवं उपयोग 78
30.च्यवनप्राश राज का निर्माण एवं उपयोग 80
31.सर्वपाचक एवं शतजीत राज का निर्माण एवं उपयोग.....82
32.सप्ताग्नि एवं मुस्तापाचक का निर्माण एवं उपयोग.....90

Fifth month

👉अग्नि,ग्रहणी,रस,ऋतुचर्या

विषय (Topics) पेज न.

1.जठराग्नि एवं ग्रहणी का परिचय.....1

2.जठराग्नि एवं ग्रहणी का कार्य एवं स्थान.....5

3.छोटी एवं बड़ी आंत का परिचय.....8

4.अन्नवह स्त्रोतस एवं विपाक.....11

5.षड रसों का वर्णन 17

6.रसों का पंचभौतिक स्वरूप.....20

1. मधुर (sweet) = पृथ्वी + जल
2. अम्ल (Sour) = पृथ्वी + अग्नि
3. लवण (Salt) = अग्नि + जल
4. तिक्त (Bitter) = वायु + आकाश
5. कटु (Pungent) = वायु + अग्नि
6. कषाय (Astringent) = वायु + पृथ्वी

7.रसों के भेद में ऋषियों के मत.....30

8.रसों के अति सेवन से उत्पन्न दोष 33

9.रसानुसार द्रव्यों का वर्गीकरण.....36

10.रसों का ऋतुओं पर प्रभाव 45

11.षड ऋतुचर्या का वर्णन.....50

1. शिशिर (Winter) = फाल्गुन + चैत्र
2. वसंत (Spring) = वैशाख + ज्येष्ठ
3. ग्रीष्म (Summer) = आषाढ़ + श्रावण
4. वर्षा (Rainy) = भाद्रपद + अश्विन
5. शरद (Autumn) = कार्तिक + अगहन
6. हेमंत (Early winter) = पौष + माघ

12.दोषों का संचय, प्रकोप एवं शमन चक्र.....70

13.सामान्य ऋतुचर्या 75

Sixth month

👉 प्रकृति,पुरुष,पंचमहाभूत

विषय (Topics) पेज न.

1.पंचमहाभूत से शरीर की उत्पत्ति.....1
2.महाभूतों की उत्पत्ति 5
3.प्रकृति पुरुष सिद्धांत 8
4.पच्चीस तत्वों का वर्णन 11
5.प्रकृति और परमात्मा क्या है.....17
6.मन,बुद्धि,चित्त,अहंकार क्या है 20
7.एकादश इंद्रियां क्या है.....30
8.आकाश महाभूत की उत्पत्ति.....31
9.आकाश महाभूत के गुण एवं कर्म 33
10.आकाश महाभूत के व्याधि.....36
11.वायु महाभूत की उत्पत्ति.....38
12.वायु महाभूत के गुण एवं कर्म 39
13.वायु महाभूत की व्याधि.....40
14.आधारणीय वेगो का वर्णन.....42
15.तेज महाभूत की उत्पत्ति.....44
16.तेज महाभूत के गुण एवं कर्म 48
17.तेज महाभूत और ज्ञान इन्द्रिय.....50
18.तेज महाभूत और शरीर भाव.....52
19.तेज महाभूत के व्याधि.....54
20.तेज महाभूत के विभिन्न संदर्भ.....57
21.आप महाभूत की उत्पत्ति.....58
22.आप महाभूत के गुण एवं कर्म 60
23.आप महाभूत और षड रस.....65
24.आप महाभूत व्याधि संभव 66
25.पृथ्वी महाभूत की उत्पत्ति.....68
26.पृथ्वी महाभूत के गुण एवं कर्म 70
27.पृथ्वी महाभूत और षड रस.....75
28.पृथ्वी महाभूत व्याधि संभव 76
29.पांच सूक्ष्म एवं स्थूल महाभूत 78
30.भूत और महाभूत क्या है.....80
31.अणु,परमाणु और तत्व क्या है.....85
33.अग्नि से जल की उत्पत्ति.....97
34.पंच महाभूतों का विलीनीकरण सिद्धांत.....100

Seventh month

👉 लीवर,स्प्लीन,किडनी,

विषय (Topics) **पेज न.**

1.पंच भूताग्नि क्या है?.....1
2.पंच भूताग्नि की अवधारणा.....5
3.भूताग्नि का स्थान 8
4.भूताग्नि का संबंध लिवर से.....11
5.Liver Anatomy & physiology.....17
6.Liver,Lobe,Lobules,Hepatocyte 20
7.लिवर में रक्त प्रवाह 30
8.यकृत संदर्भ सूचि.....35
9.Function of Liver.....38
10.Function of Bile.....40
11.बिलीरुबिन क्या है.....43
12.कोलेस्ट्रॉल क्या है.....45
13.फलगु राज का निर्माण एवं कफज लिवर व्याधि में उपयोग.....48
15.चित्त राज का निर्माण एवं वातज लिवर व्याधि में उपयोग.....52
16.पितपापड़ा हिम का निर्माण एवं पितज लिवर व्याधि में उपयोग.....55
17.लिवर के रोगों की सम्पूर्ण चिकित्सा.....58
18.स्प्लीन क्या है और इसका स्थान.....60
19.लिम्फेटिक सिस्टम और लिंफ नोड.....62
20.थाइमस ग्लैंड और टॉन्सिल का वर्णन.....65
21.Spleen anatomy and physiology.....68
22.रंजक राज का निर्माण एवं कफज स्प्लीन व्याधि में उपयोग.....70
23.रजनी राज का निर्माण एवं वातज,पितज स्प्लीन व्याधि में उपयोग.....74
24.स्प्लीन के रोगों की सम्पूर्ण चिकित्सा.....78
25.किडनी क्या है और इसका स्थान.....79
26.excretory system and kidney.....80
27.kidney anatomy and physiology.....83
28.यूरिन,यूरेटर्स,यूरिन ब्लैडर.....87
29.सुख राज का निर्माण एवं कफज किडनी व्याधि में उपयोग 90
30.स्वराज का निर्माण एवं वातज,पितज किडनी व्याधि में उपयोग.....95
31.किडनी रोगों की सम्पूर्ण चिकित्सा.....99

Eighth month

👉 यूटरस,ओवरी,हार्ट,लंग्स

विषय (Topics) **पेज न.**

1.यूटरस क्या है और इसका स्थान.....1
2.Female Reproducative system & uterus 5
3.Uterus Anatomy & physiology.....8
4.Ovary Anatomy & physiology 11
5.Fallopian tube anatomy & physiology 17
6.हिस्टेरेक्टॉमी एंड यूटरस.....20
7.PCOD and Infertility.....30
8.विविध गर्भाशय रोग का निदान 35
9.पद्मप्रभा का निर्माण विधि, गुणधर्म एवं उपयोग.....38
10.अनंत राज का निर्माण विधि, गुणधर्म एवं उपयोग.....40
11.रक्त पाचक का उपयोग विभिन्न स्त्री रुग्ण में.....43
12.हार्ट क्या है और इसका स्थान 45
13.Blood Circulatory system 47
14.Blood Vessels :Veins & Artery 49
15.Heart anatomy & physiology 52
16.Blood supply to heart.....56
17.विविध हृदय रोगों का निदान.....59
18.अर्जुनारिष्ट एवं घृत में मूल अन्तर 60
19.अर्जुनारिष्ट का निर्माण विधि,गुणधर्म एवं उपयोग.....62
20.अर्जुनाघृत का निर्माण विधि,गुणधर्म एवं उपयोग.....67
21.लंग्स क्या है और इसका स्थान 69
22.लंग्स की उत्पत्ति का कारण 72
23.Respiratory system and lungs 76
24.Lungs anatomy & physiology 78
25.Blood supply to lungs 80
26.विविध फेफड़ा रोगों का निदान 85
27.द्राक्षारिष्ट का निर्माण विधि,गुणधर्म एवं उपयोग 89
28.सप्ताग्नि का प्रयोग फुप्फुस रोग में.....90
29.प्राण,प्राणवायु और फेफड़ा.....95
30.प्राणायाम से फेफड़ा मजबूती.....100

Ninth month

👉 पंचकर्म शोधन चिकित्सा

विषय (Topics) पेज न.

1.पंचकर्म क्या है और क्यों करें.....1
2.पंचकर्म के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति 5
3.ऋतुचर्या अनुसार पंचकर्म.....8
4.पूर्वकर्म : दीपन- पाचन -अनुलोम.....11
5.पंचकर्म चिकित्सक के गुण.....17
6.पंचकर्म सेंटर कैसा हो.....20
7.स्नेहन कर्म की कार्मुकता एवं भेद.....30
8.अभ्यंग की विशेषता.....35
9.स्वेदन कर्म की कार्मुकता.....38
10.स्वेदन के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति.....40
11.स्वेदन कर्म विधि.....43
12.वमन कर्म की कार्मुकता.....45
13.वमन के योग्य एवं अयोग्य रोगी.....47
14.वमन कर्म विधि 49
15.धूमपान विधि एवं सावधानी 52
16.विरेचन कर्म की कार्मुकता 56
17.विरेचन के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति.....59
18.विरेचन कर्म विधि 60
19.संसर्जन कर्म क्या है कैसे करें.....62
20.पेया,विलेपी,यूष, कृत एवं कृत कृशरा.....67
21.वस्ति कर्म की निरुक्ति व कार्मुकता.....69
22.वस्ति के भेद एवं विभिन्न वस्ति कल्प 72
23.वस्ति के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति 76
24.वस्ति कर्म विधि 78
25.नस्य कर्म की कार्मुकता.....80
26.नस्य भेद एवं औषधि.....85
27.नस्य के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति.....89
28.सम्पूर्ण नस्य कर्म विधि 90
29.रक्तमोक्षण कर्म की कार्मुकता.....95
30.रक्तमोक्षण के योग्य एवं अयोग्य व्यक्ति.....100
31.रक्तमोक्षण करने का सही विधि.....105
32.कटिवस्ति,ग्रीवावस्ति,जानुवस्ति,शिरोधारा, कैसे करें.....110

Tenth month

👉 पंचगव्य,पंचधान्य,पंचचर्या

विषय (Topics) पेज न.

1.पंचगव्य क्या है और इसका महत्व.....1
2.गाय,गव्य और आयुर्वेद.....5
3.गोमूत्र का गुणधर्म एवं केमिकल एनालिसिस.....8
4.गोमूत्र का पंचभौतिक स्वरूप 11
5.गोमूत्र का चिकित्सीय उपयोग 17
6.गोबर का गुणधर्म एवं केमिकल एनालिसिस.....18
7.गोबर का पंचभौतिक स्वरूप 21
8.गोबर का चिकित्सीय उपयोग 24
9.गोदूध का गुणधर्म एवं केमिकल एनालिसिस.....27
10.गोदूध का पंच भौतिक स्वरूप 30
11.गोदूध का चिकित्सीय उपयोग 32
12.दही एवं छाछ का गुणधर्म एवं केमिकल एनालिसिस.....34
13.दही एवं छाछ का पंचभौतिक स्वरूप 36
14.दही एवं छाछ का चिकित्सीय उपयोग 37
15.गौघृत का गुणधर्म एवं केमिकल एनालिसिस.....38
16.गौघृतका पंचभौतिक स्वरूप 41
17.गौघृत का चिकित्सीय उपयोग 47
18.पंचधान्य क्या है और इसका महत्व.....48
19.पंचधान्य का पौष्टिक मूल्य.....49
20.पंचधान्य का पंचभौतिक स्वरूप एवं केमिकल एनालिसिस.....52
21.सामक (Barnyard) का गुणधर्म एवं उपयोग.....55
22.कोदो (Kodo) का गुणधर्म एवं उपयोग.....56
23.कंगनी (Foxtail) का गुणधर्म एवं उपयोग.....59
24.कुटकी (Little) का गुणधर्म एवं उपयोग.....62
25.कोराले (Browntop) का गुणधर्म एवं उपयोग.....65
26.पंचचर्या क्या है और इसका महत्व.....69
27.दिनचर्या (Daily Routine) का वर्णन 72
28.रात्रिचर्या (Night Routine) का वर्णन 76
29.ऋतुचर्या (Season Routine) का वर्णन.....78
30.जीवनचर्या (Life Routine) का वर्णन 80
31.परिचर्या (Nature Routine)का वर्णन 85
32.पंचचर्या और आयुर्वेद चिकित्सा.....90

Eleventh month

👉 वैदिक गर्भ विज्ञान

विषय (Topics) पेज न.

1.वैदिक गर्भ विज्ञान क्या है.....1
2.गर्भ विज्ञान की जरूरत क्यों है ?.....5
3.संतानोत्पति का प्राचीन एवं समकालीन विज्ञान.....8
4.संतानोत्पति से पूर्व पंचकर्म का महत्व.....11
5.रजस्वला का स्वरूप,नियम तथा कर्तव्याकर्तव्य.....17
6.गर्भग्रहण के योग्य समय और नियम.....18
7.गर्भाधान का संस्कार का महत्व 21
8.गर्भावक्रमण प्रकरण.....24
9.इच्छानुसार पुत्र/पुत्री प्राप्त करने का राज 27
10.गर्भस्थिति का क्रम.....30
11.गर्भ में जीव के प्रवेश करने का प्रकार.....37
12.गर्भवती स्त्रियों के लक्षण 38
13.गर्भस्थ सन्तान के रस-रक्त-मांस-मेदादि के वृद्धिक्रम 41
14.एक से नौ माह तक गर्भ का स्वरूप, औषधि सेवन और चिकित्सा 47
15.गर्भिणी की इच्छा विशेष.....48
16.गर्भ में अङ्गोत्पत्ति.....49
17.गर्भ के जीवित रहने के हेतु.....52
20.गर्भवती स्त्रियों के कर्म एवं अकर्म.....55
18.गर्भावस्था में योग और प्राणायाम.....56
19.गर्भवती माँ की मानसिक स्थिति.....59
20.गर्भावस्था के दौरान होने वाली बीमारियाँ और उनके उपचार.....62
21.गर्भावस्था में आवश्यक दवाएँ.....65
22.सामान्य प्रसव के पूर्व कर्म.....69
23.प्रसव का समय एवं नॉर्मल डिलीवरी 72
24.प्रसूतिकागृह का स्वरूप 76
25.बालक के जन्म होने के बाद की विधि.....78
26.सद्योजात शिशु एवं प्रसूता स्त्री की परिचर्या.....80
37.बालकों को दूध पिलाने की विधि.....85
38.बाल्यादि अवस्थाओं की सीमा एवं प्रकृति परीक्षण.....90
39.नवजात शिशु का पालन-पोषण कैसे करें.....93
30.नवजात शिशु की बीमारी और चिकित्सा.....97
31.बालकों की विभिन्न संस्कार और शिक्षा.....102

Twelveth month

👉 नाड़ी विज्ञान

विषय (Topics) पेज न.

1.नाड़ी विद्या का इतिहास.....1
2.नाड़ी क्या है और इसकी संख्या 5
3.नाड़ी परीक्षण का महत्व 8
4.नाड़ी परीक्षण कहां और कब करें.....11
5.नाड़ी में दोषों का मूल्यांकन.....17
6.श्वास के साथ नाड़ी का संबंध 18
7.नाड़ी की सामान्य गतिया 23
8.वात नाड़ी की विकृत गतिया-जालौका गति.....28
9.पित्त नाड़ी की विकृत गतिया 30
- ✅तीतर गति
- ✅लवा गति
- ✅काक गत
- ✅उष्ट्र गति

10.कफ नाड़ी की विकृत गतिया.....35
- ✅कपोत गति
- ✅गज गति

11.Pulse rate and Rhythm 39
12.Volume and Tension का महत्व 42
13.नाड़ी से अग्नि का ज्ञान 48
14.नाड़ी की अन्य विकृत गतिया.....52
- ✅गिरिजा गति
- ✅कुकुट गति
- ✅डमरु गति
- ✅पिपलीका गति
- ✅कृमि गति

15.अंगुलियों पर दोषों की स्थिति.....60
16.नाड़ी के प्रत्येक लेवल का परिचय 65
17.Organ Level of Pulse.....69
18.Method of Pulse examination (Organ Level) 70
- ✅Heart pulse
- ✅Liver pulse
- ✅GB pulse
- ✅Lungs pulse
- ✅Spleen pulse
- ✅Stomach pulse
- ✅Intestine pulse
- ✅Bladder pulse
- ✅ Kidney pulse

19.Subdosha Level of pulse.....98
20.Dhatu Level of pulse 108
- ✅रस धातु
- ✅रक्त धातु
- ✅मांस धातु
- ✅मेद धातु
- ✅अस्थि धातु
- ✅मज्जा धातु
- ✅शुक्र धातु
- ✅आर्तव

21.Pregnancy Level of pulse.....111

Advance Course

👉 रोग निदान एवं चिकित्सा

विषय (Topics) पेज न.

1.ज्वर (Fever) क्या है 01
2.ज्वर के हेतू एवं संप्राप्ति 05
3.ज्वर के भेद एवं लक्षण 25
4.सर्वज्वर की सम्पूर्ण चिकित्सा 50
5.शुगर (डायबिटीज मेलिटस) क्या है.....01
6.शुगर के हेतू एवं संप्राप्ति 08
7.शुगर के भेद एवं लक्षण 39
8.शुगर की संपूर्ण चिकित्सा 50
9.B.P. (Blood pressure) क्या है.....01
10.B.P. के हेतू एवं संप्राप्ति.....09
11.B.P. के भेद एवं लक्षण.....37
12.B.P. की सम्पूर्ण चिकित्सा.....50
13.मोटापा (Obesity) क्या है 01
14.मोटापा के हेतू एवं संप्राप्ति 05
15.मोटापा के भेद एवं लक्षण 25
16.मोटापा की सम्पूर्ण चिकित्सा 40
17.फैटी लिवर (Fatty Liver) क्या है.....01
18.फैटी लिवर के हेतू एवं संप्राप्ति 09
19.फैटी लिवर के भेद एवं लक्षण 20
20.फैटी लिवर की संपूर्ण चिकित्सा 50
21.थायरॉयड (Thyroid) क्या है.....01
22.थायरॉयड के हेतू एवं संप्राप्ति.....11
23.थायरॉयड के भेद एवं लक्षण.....33
24.थायरॉयड की सम्पूर्ण चिकित्सा.....50
25.गठिया (Arthritis) क्या है 01
26.गठिया के हेतू एवं संप्राप्ति 05
27.गठिया के भेद एवं लक्षण 25
28.गठिया की सम्पूर्ण चिकित्सा 50
29.ग्रहणी (IBS) क्या है.....01
30.ग्रहणी के हेतू एवं संप्राप्ति 09
31.ग्रहणी के भेद एवं लक्षण 30
32.ग्रहणी की संपूर्ण चिकित्सा 50

Advance Course

👉 रोग निदान एवं चिकित्सा

विषय (Topics) पेज न.

1.कोलेस्ट्रॉल(Cholesterol) क्या है 01
2.कोलेस्ट्रॉल के हेतू एवं संप्राप्ति 05
3.कोलेस्ट्रॉल के भेद एवं लक्षण 25
4.कोलेस्ट्रॉल की सम्पूर्ण चिकित्सा 50
5.अश्मरी (पथरी) क्या है.....01
6.पथरी के हेतू एवं संप्राप्ति 08
7.पथरी के भेद एवं लक्षण 39
8.पथरी की संपूर्ण चिकित्सा 50
9.अर्श (Piles) क्या है.....01
10.अर्श के हेतू एवं संप्राप्ति.....09
11.अर्श के भेद एवं लक्षण.....37
12.अर्श की सम्पूर्ण चिकित्सा.....50
13.कैंसर (cancer) क्या है 01
14.कैंसर के हेतू एवं संप्राप्ति 05
15.कैंसर के भेद एवं लक्षण 25
16.कैंसर की सम्पूर्ण चिकित्सा 40
17.किडनी फेलियर क्या है.....01
18.किडनी फेलियर के हेतू एवं संप्राप्ति 09
19.किडनी फेलियर के भेद एवं लक्षण 20
20.किडनी फेलियर की संपूर्ण चिकित्सा 50
21.श्वास , कास, दमा क्या है.....01
22.श्वास, कास, दमा के हेतू एवं संप्राप्ति.....11
23.श्वास , कास, दमा के भेद एवं लक्षण.....33
24.श्वास , कास, दमा की सम्पूर्ण चिकित्सा.....50
25.चर्म रोग क्या है 01
26.चर्म रोग के हेतू एवं संप्राप्ति 05
27.चर्म रोग के भेद एवं लक्षण 25
28.चर्म रोग की सम्पूर्ण चिकित्सा 50
29.male एवं female इनफर्टिलिटी क्या है.....01
30.इनफर्टिलिटी के हेतू एवं संप्राप्ति 09
31.इनफर्टिलिटी के भेद एवं लक्षण 30
32.इनफर्टिलिटी की संपूर्ण चिकित्सा 50

अन्य सहायक ग्रंथ

1. अथर्ववेद	(अ. थ. व.)
2. चरक संहिता	(च.सं.)
3. सुश्रुत संहिता	(सु.सं.)
4. अष्टांग हृदयम	(अ. हृ.)
5. अष्टांग संग्रह	(अ. सं.)
6. भेल संहिता	(भे.सं.)
7. हारित संहिता	(ह.सं.)
8. भाव प्रकाश निघंटु	(भा. प्र. नि.)
9. भैषज्यरत्नावली	(भै.र.)
10. माधव निदान	(म. नि.)
11. योग रत्नाकर	(यो. र.)
12. योगदर्शन	(यो. द.)
13. वृहदनिघण्टु रत्नाकर	(वृ.नि.र.)
14. सांख्य दर्शन	(सा. द)
15. शार्ङ्गधरसंहिता	(शा.ध.सं.)
16. सिद्धयोगसंग्रह	(सि.यो.सं.)
17. भगवद्गीता	(भ. ग.)
18. महाभारत	(म. भा.)
19. उपनिषद्	(उ. नि.)
20. पुराण	(पु.)
21. अर्क प्रकाश	(अ. प्र)
21. रामायण	(राम.)
22. नाड़ी विज्ञान	(न. वि.)
23. गुरुग्रंथ साहिब	(गु. ग्रं.स.)
24. नव संहिता	(न. सं.)
25. काश्यप संहिता	(क. सं.)